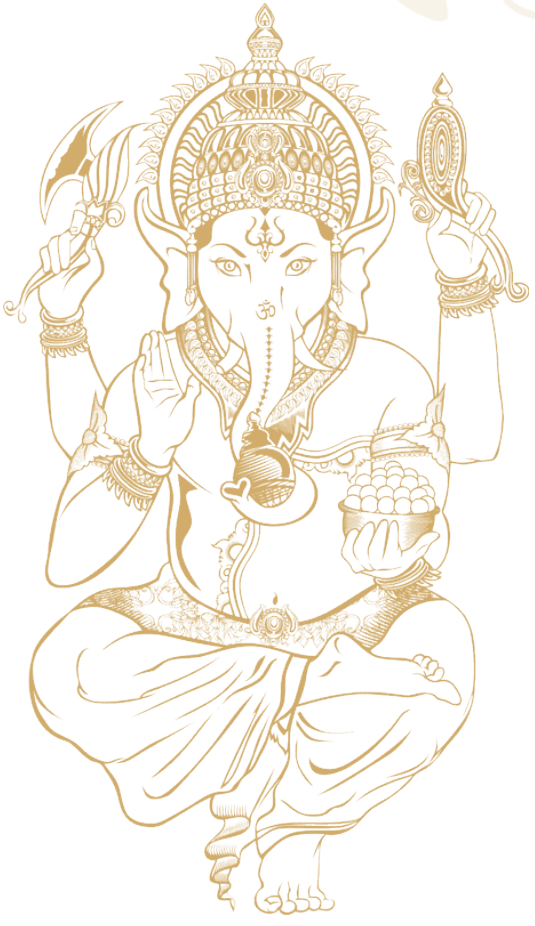

Priyanshu Sharma

Pooja Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121362802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/01/1998	जन्म तिथि	03/03/1997
सोम-मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 07:10:00	जन्म समय	07:57:00 घंटे
घटी 59:38:08	जन्म समय(घटी)	02:27:37 घटी
India	देश	India
Surat	स्थान	Surat
21:10:00 उत्तर	अक्षांश	21:10:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:18:44	सूर्योदय	06:57:57
18:20:47	सूर्यास्त	18:43:34
23:49:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:04

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 7मा 28दि	02:44:44	मक	लग्न	मीन	06:49:39	बुध 3वर्ष 2मा 18दि
गुरु	05:57:18	मक	सूर्य	कुंभ	18:44:03	शुक्र
17/09/2020	27:47:25	कन्या	चंद्र	वृश्चि	27:28:34	22/05/2007
17/09/2036	01:58:15	कुंभ	मंगल व	कन्या	08:06:22	22/05/2027
गुरु 06/11/2022	15:59:40	धनु	बुध	कुंभ	11:21:45	शुक्र 20/09/2010
शनि 19/05/2025	02:35:21	कुंभ	गुरु	मक	15:26:29	सूर्य 21/09/2011
बुध 25/08/2027	00:06:44	मक व	शुक्र	कुंभ	11:05:49	चन्द्र 21/05/2013
केतु 31/07/2028	20:46:57	मीन	शनि	मीन	13:00:30	मंगल 22/07/2014
शुक्र 01/04/2031	17:29:46	सिंह	राहु व	कन्या	05:00:54	राहु 21/07/2017
सूर्य 18/01/2032	17:29:46	कुंभ	केतु व	मीन	05:00:54	गुरु 21/03/2020
चन्द्र 19/05/2033	14:21:49	मक	हर्ष	मक	12:54:16	शनि 22/05/2023
मंगल 25/04/2034	05:49:42	मक	नेप	मक	05:11:53	बुध 22/03/2026
राहु 17/09/2036	13:31:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:46:34	केतु 22/05/2027

लग्न-चलित

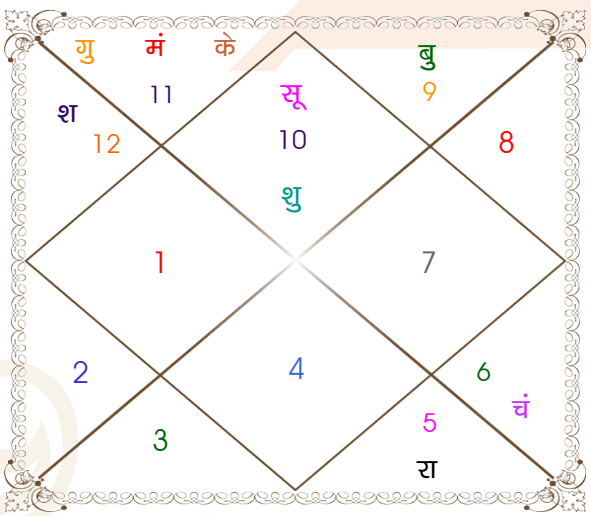

लग्न-चलित

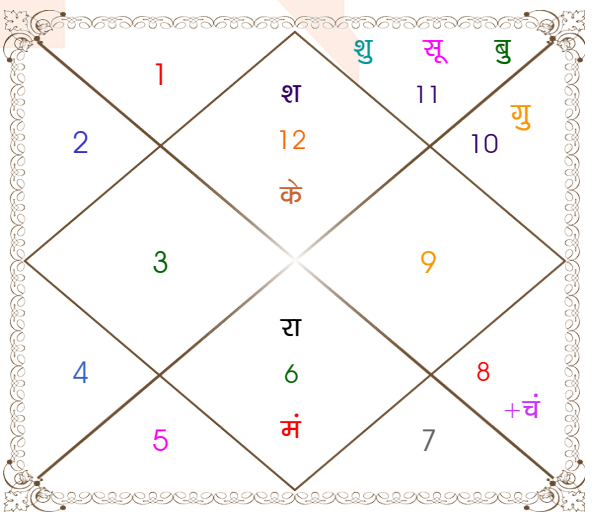

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

त्तपलंदीन ँितउं का वर्ग मूषक है तथा च्वर ँितउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्तपलंदीन ँितउं और च्वर ँितउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

त्तपलंदीन ँितउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

च्वर ँितउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु च्वर ँितउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि च्वर ँितउं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि च्तपलंदीनॅीतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तपलंदीनॅीतउं तथा च्ववरॅीतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।